भारत सरकार
योजना मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 630
दिनांक 07.02.2022 को उत्तर देने के लिए

गरीबी उन्मूलन के लिए योजना

630 # श्री नीरज डांगी:

क्या **योजना मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने विगत तीन वर्षों के दौरान देश में गरीबी उन्मूलन के लिए विभिन्न नई योजनाएं शुरू की हैं;

(ख) क्या देश में उक्त अवधि के दौरान गरीबी रेखा से नीचे रह रहे परिवारों की संख्या कम हुई है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय;
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) योजना मंत्रालय एवं
राज्यमंत्री (कारपोरेट कार्य मंत्रालय)

(राव इंद्रजीत सिंह)

(क) सरकार ने हाल ही में कई लक्षित योजनाओं की पहल की है जिनका उद्देश्य लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार और देश में गरीबी का उन्मूलन करना है। इनमें प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (पीएमजीकेवाई), सौर चरखा मिशन, राष्ट्रीय पोषण मिशन (एनएनएम), पोषण अभियान, प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन (पीएम-एसवाईएम), प्रधानमंत्री कर्म योगी मानधन योजना, प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि - पीएम स्वनिधि, एसबीएम-ग्रामीण, प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्यूदय योजना (पीएम अजय), समेकित हस्तशिल्प समूह विकास योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री किसान पेंशन योजना, सीमांत व्यक्तियों को आजीविका एवं उद्यम हेतु सहायता (स्माइल), दिव्यांगजनों को साधनों एवं उपकरणों की खरीद/फिटिंग से संबंधित सहायता प्रदान करना और मदरसों तथा अल्पसंख्यकों के लिए शिक्षा योजना शामिल हैं।

(ख) और (ग) पूर्ववर्ती योजना आयोग ने सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) द्वारा किए गए घरेलू उपभोक्ता व्यय पर बृहत प्रतिदर्श सर्वेक्षणों के आधार पर गरीबी रेखा और गरीबी अनुपात का अनुमान लगाया। घरेलू उपभोक्ता व्यय पर बृहत प्रतिदर्श सर्वेक्षण का नवीनतम डाटा राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय द्वारा वर्ष 2011-12 में कराए गए इसके अपने 68वें दौर में संगृहीत किया गया। इस डाटा के आधार पर पूर्व योजना आयोग ने मौजूदा तेंदुलकर समिति की कार्यप्रणाली को अपनाते हुए वर्ष 2011-12 में गरीबी अनुपात एवं गरीबी रेखा का अनुमान लगाया एवं 22 जुलाई, 2013 को प्रेस नोट के माध्यम से जारी किया। इस प्रेस नोट के अनुसार वर्ष 2011-12 में भारत में गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या का अनुमान 27 करोड़ लगाया गया।

*****